हिंदी विश्वविद्यालय में चार दिवसीय 'महात्मा गांधी फिल्मोत्सव'

*** विश्वविद्यालय व फ़िल्म डिवीजन का आयोजन**

*** सिनेमा से जुड़ी हस्तियों ने की शिरकत.**

गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा एवं फ़िल्म डिवीजन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में चार दिवसीय 'महात्मा गांधी फिल्मोत्सव' का आयोजन 30 सितम्बर से 3 अक्टूबर के दौरान

किया गया. फिल्मोत्सव में महात्मा गांधी से जुड़ी अनेक फिल्मों का प्रदर्शन किया गया तथा इस आयोजन में सिनेमा से जुड़ी हस्तियों ने गांधी जी और सिनेमा को लेकर विचार रखे.

फिल्मोत्सव का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो रजनीश कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में हुआ. उन्होंने कहा कि गांधी के विचारों के विविध पक्ष रखने के लिए सिनेमा एक ज़रूरी माध्यम है.

मुख्य वक्ता के रूप में उत्तर प्रदेश के संस्कृति मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी शामिल रहें जिन्होंने गांधी के विचारों को वर्तमान संदर्भों में समझाते हुए अपनी बात रखी. मुख्य अतिथि के रूप में

फिल्मकार श्री मधुर भंडारकर कार्यक्रम में शामिल रहे. उन्होंने बताया कि फ़िल्म समाज का ही तो दर्पण है. फिल्म डिवीजन की महानिदेशक विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद श्रीमति स्मिता वत्स शर्मा ने फिल्म डिवीजन की गतिविधियों के बारे जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के इस प्रयास को महत्वपूर्ण बताया। उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापन साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार ने दिया

महोत्सव के दूसरे दिन गांधी जी से जुड़ी कई फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। जिसका आरम्भ गांधी जी के पसंदीदा भजन पर बनी एनिमेशन फ़िल्म 'वैष्णव जन तो' से हुआ, इसका निर्देशन श्री स्वरूप डे ने किया है. एक और एनिमेशन फ़िल्म 'गाँधीजी : थ्रू द आई ऑफ द कार्टूनिस्ट' जिसका निर्देशन शैला परालकर जी ने किया.85 नायक नी पोल पोरबंदर' वृत्तचित्र दिखाया गया, जिसके निर्देशक रहें श्री चंद्रशेखर नायर. बी जी देवर जी की वृत्तचित्र 'दें केम गांधी' का भी प्रदर्शन किया गया.

1985 में श्री प्रेम वैद्य द्वारा निर्देशित वृत्तचित्र 'द ग्रेट सॉल्ट मार्च' का प्रदर्शन किया गया। "द हंड्रेड मिनट्स" 1996 में बनी वृत्तचित्र जिसका निर्देशन श्री शरद मेहता ने किया था, प्रदर्शित हुई, जबकि महोत्सव की अंतिम फ़िल्म प्रदर्शन के रूप में "गांधी युग का सवेरा" दिखाई गयी.

3 अक्टूबर को महोत्सव के समापन समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल जी ने की. उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन महात्मा गांधी के प्रति समझ विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं. अतिथियों का स्वागत विश्वविद्यालय के संस्कृति विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो नृपेंद्र प्रसाद मोदी ने किया. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो भगवती प्रकाश शर्मा जी ने सिनेमा के माध्यम से गांधी जी के सिद्धान्त और आदर्श दिखाये जाने पर बल दिया. धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ ओमप्रकाश भारती ने किया. फिल्म महोत्सव के कार्यक्रमों का संयोजन प्रदर्शनकारी कला विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री यशार्थ मंजुल ने किया. फिल्मोत्सव का प्रसारण विश्वविद्यालय के विविध सोशल मीडिया चैनलों पर किया गया.